Hindi Murli Quiz 22-07-2015

.

Q.1) इनमें से गलत वाक्यों का चयन करें -

A. ताला उनका खुलेगा जो श्रीमत पर चलने लग पड़ेंगे और पतित-पावन बाप को याद करेंगे।
B. जो-जो काम की चीजें वहाँ के लायक हैं वह बनती हैं। स्टीमर बनाने वाले भी होते हैं ,वह भी वहाँ काम में आयेंगे।
C. लक्ष्मी का आह्वान करते हैं परन्तु यहाँ थोड़ेही आ सकती है। यह 5 तत्व भी बदलने चाहिए।
D. कृष्ण का तो गायन हुआ, उनको महात्मा कहते हैं क्योंकि गीता बैठ सुनाई है।
E. यह दुनिया भी पतित है, मनुष्य भी पतित हैं, 5 तत्व भी पतित हैं। वहाँ तुम्हारे लिए तत्व भी पवित्र चाहिए।

Q.2) इनमें से सही वाक्यों का चयन करें -

A. मैं आत्मा कैसी हूँ, क्या हूँ.....? बाप कहते हैं जबकि अपने को आत्मा ही नहीं जानते हो, मुझे फिर क्या जानेंगे।
B. लक्ष्मी-नारायण को प्रेम का सागर कहा जा सकता है |
C. बाप आकर विकार बन्द कराते हैं तो कितना सहयोग मिलता है।
D. काम महाशत्रु है इसलिए बाबा के पास आते हैं तो कहते हैं जो विकर्म किये हैं, वह बताओ तो हल्का हो जायेगा, इसमें भी मुख्य विकार की बात है।
E. आत्मा को निर्लेप कह सकते हैं। आत्मा ही एक शरीर छोड़ दूसरा लेती है। आत्मा अविनाशी है। है कितनी छोटी।

Q.3) Match the following

	Choice		Match
A	अभी वानप्रस्थ अवस्था में जाने का समय समीप आ रहा है-	1	इसलिए कमजोरियों के मेरे पन को वा व्यर्थ के खेल को समाप्त करो |
B	कहना, सोचना और करना समान बनाओ	2	विचित्र खेल नहीं खेल सकते।
C	जो ऐसे ज्ञान स्वरूप ज्ञानी तू आत्मायें हैं	3	उनका हर कर्म, संस्कार, गुण और कर्तव्य समर्थ बाप के समान होगा।
D	वे कभी व्यर्थ के	4	एक बाप से मिलन मनायेंगे और औरों को बाप समान बनायेंगे।
E	सदा परमात्म मिलन के खेल में बिजी रहेंगे।	5	तब कहेंगे ज्ञान स्वरूप।

Q.4) Match the following

	Choice		Match
A	यह आंखें ही धोखा देने वाली हैं इसलिए दृष्टान्त देते हैं कि	1	उसने अपनी आंखें निकाल दी।
B	आत्मा में 84 जन्मों का पार्ट है। वह बजता रहता है। कोई फिर कहते हैं ड्रामा में नूँध है फिर हम पुरूषार्थ ही क्यों करें!	2	अरे, पुरूषार्थ बिगर तो पानी भी नहीं मिल सकता। ऐसे नहीं, ड्रामा अनुसार आपेही सब कुछ मिलेगा। कर्म तो जरूर करना ही है।
C	मैं ही तुमको कर्म, अकर्म, विकर्म की गति समझाता हूँ।	3	वहाँ तुम्हारे कर्म अकर्म हो जाते हैं, रावण राज्य में कर्म विकर्म हो जाते हैं।
D	गीता-पाठी भी कभी यह अर्थ नहीं समझाते, वह तो सिर्फ पढ़कर सुनाते हैं, संस्कृत में श्लोक सुनाकर फिर हिन्दी में अर्थ करते हैं। बाप कहते हैं कुछ-कुछ अक्षर ठीक हैं।	4	सीढ़ी में बड़ा क्लीयर दिखाया हुआ है।
E	भक्ति है ब्राह्मणों की रात। ज्ञान है ब्रह्मा और ब्राह्मणों का दिन। जो अब प्रैक्टिकल में हो रहा है।	5	भगवानुवाच है परन्तु भगवान किसको कहा जाता है, यह किसी को पता नहीं है।

Q.5) सेवाओं का ____ छोटी-छोटी बीमारियों को मर्ज कर देता है।